Topics-I

- उच्च शिक्षा का अर्थ
- प्राचीन काल में शिक्षा व अधिगम का परिचय
- प्राचीन भारतीय शिक्षा के मूल सिद्धांत
- विभिन्न प्रणालियों में शिक्षा
- प्राचीन भारत में मुख्य शैक्षिक केन्द्र – तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशीला
- विभिन्न प्रश्न

Dr. Mukesh Pancholi

उच्च शिक्षा (Higher Education) –

उच्च शिक्षा का अर्थ है, सामान्य रूप से सबको दी जाने वाली शिक्षा से ऊपर किसी विशेष विषय या विषय विशेष में, सूक्ष्म शिक्षा।

यह शिक्षा के उस स्तर का नाम है जो विश्वविद्यालय, व्यावसायिक विश्वविद्यालयों, लिबरल आर्ट कॉलेज, प्रौद्योगिक संस्थानों के द्वारा दी जाती है।

प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के बाद यह शिक्षा का तीसरा स्तर है जो प्राय: ऐच्छिक होता है, इसके अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर व व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण आते हैं।

Dr. Mukesh Pancholi

भारत में उच्च शिक्षा के लक्ष्य निम्न है –

अधिगम, संतुलन, गुण, प्रासंगिक, मूल्य आधारित अनिवार्य व मुफ्त शिक्षा।

प्राचीन भारत में अधिगम व शिक्षण संस्थाएं

परिचय –

प्राचीन भारत में शिक्षा का इतिहास आकर्षक है और इसे दर्ज किया गया है, धार्मिक प्रशिक्षण के तत्त्वों और पारंपरिक ज्ञान के साथ प्राचीन भारत में शिक्षा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास शुरु हुई।

Dr. Mukesh Pancholi

संतों व विद्वानों ने मौखिक रूप से शिक्षा प्रदान की। लिखने के लिए पेड़ों की पत्तियां व छालों का उपयोग किया जाता था।

प्राचीन भारत में शिक्षा प्रणाली के औपचारिक व अनौपचारिक दोनों तरीके मौजूद थे, घर, मंदिर, पाठशालाओं, टोली, गुरुकुलों में शिक्षा दी जाती थी।

मंदिर भी सीखने के केन्द्र थे, जो छोटे बच्चों को जीवन के सही तरीकों को अपनाने की सीख देते थे और साथ ही प्राचीन प्रणाली के ज्ञान का प्रचार करते थे। छात्र उच्च ज्ञान के लिए विहार व विश्वविद्यालय में गए।

शिक्षण काफी हद तक मौखिक था और छात्रों को कक्षा में जो पढ़ाया जाता था, उसे याद किया जाता व ध्यान लगाया जाता था।

Dr. Mukesh Pancholi

प्राचीन भारतीय शिक्षा के मूल सिद्धांत –

प्राचीन भारतीय शिक्षा विज्ञान व दार्शनिक परंपराओं की नींव पर सख्ती से विकसित हुई थी। जीवन और संसार की अभिरुचि का विचार मृत्यु की अवधारणा व सांसारिक सुखों की निरर्थकता, मुक्ति ने उन्हें एक विशेष दृष्टिकोण प्रदान किया था।

संपूर्ण शैक्षिक परंपरा इन 4 सिद्धांतों से उत्पन्न हुई –

प्राचनी शैक्षिक केन्द्र, प्रकृति व प्रकृति की सुदरंता के बीच स्थित, भारतीय सभ्यता और संस्कृति के परिचायक थे।

Dr. Mukesh Pancholi

विभिन्न प्रणालियों में शिक्षा

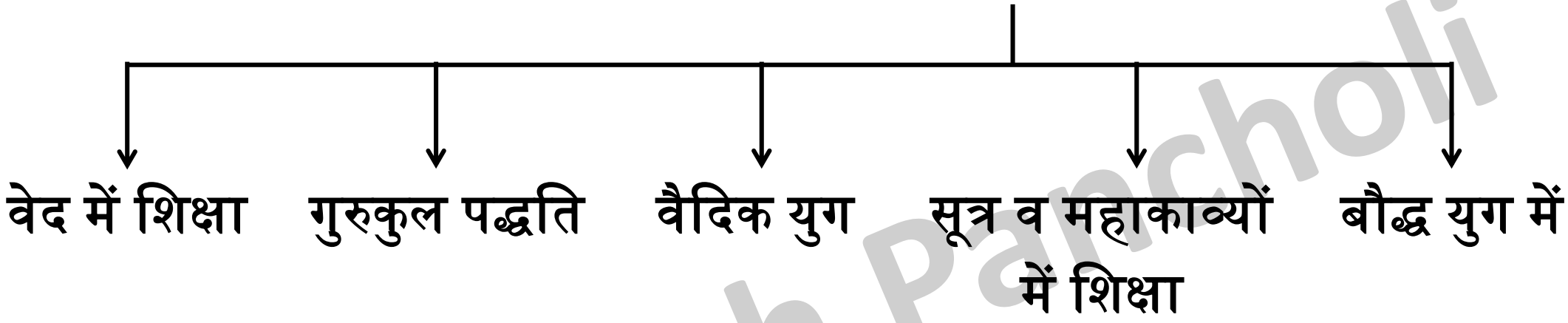

Dr. Mukesh Pancholi

वेद – (4) वेद

वेदों को दुनिया के साहित्य में सबसे पुराना माना जाता है, प्राचीन भारत में जीवन के दर्शन के मूल स्त्रोत है। इन वेदों के अध्ययन से न केवल जीवन के दर्शन बल्कि प्राचीन भारतीय संस्कृति के संपूर्ण ताने-बाने का भी गहन ज्ञान हो सकेगा।

निष्कर्षत: भारत का संपूर्ण साहित्य, दर्शन, उपनिषद्, पुराण, सभी वेदों की श्रेष्ठता को स्वीकार करते है।

ये चार वेद हैं – ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद

Dr. Mukesh Panchoji

गुरुकुल –

प्राचीन भारत में शिक्षा की पहचान गुरुकुल प्रणाली से अधिक थी।

भारत में प्राचीन हिंदू स्कूल, गुरु या शिक्षक के साथ एक ही घर में रहने वाले छात्रों के साथ प्रकृति में बने थे।

छात्र अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा के बावजूद साथ रहते थे।

वैदिक युग / वैदिक शिक्षा –

वैदिक ज्ञान को गुरु या शिक्षक द्वारा शिष्य को विनियमित व निर्धारित उच्चारण के माध्यम से प्रदान किया जाता था, जिसे शिष्य स्मृति में ले जाता था।

Dr. Mukesh Pancholi